# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

## प्रेक्टिस प्रश्न पत्र उच्च माध्यमिक परीक्षा-2022

## विषय – हिन्दी

## कक्षा-XII

समय : 2 घण्टे 45 मिनट पूर्णांक : 80

### खण्ड–अ

**Q.1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।**

शरीर के लिए श्रम आवश्यक है। इसलिए आवश्यक नहीं कि शरीर स्वस्थ रहे, बल्कि इसलिए कि वह जीवित रहे। शरीर को गतिशील बनाए रखने के लिए अपने श्रम से हमें कई चीजें पैदा करनी होंगी। हमारे लिए दूसरे ने जो परिश्रम किया है अब मात्र उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार नया समाज स्वीकार नहीं करेगा। बाप–दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी आदत हमें वर्षो से पाल रखी है। उसने न केवल हमारे शरीर को निकम्मा बनाया है बल्कि हमें लालची भी बना दिया हैं। किसी भले मानस के लिए यह लज्जा की बात होनी चाहिए कि वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम नहीं किया। श्रम के आवश्यक नियमों के अभाव में हम मजदूर– मालिक, अमीर – गरीब, सेठ– असामी के चुभते भेदों के शिकार हो गए है इनसे अपना पिंड छुड़ाना मुश्किल पड़ रहा है।

श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भीतर से संतोष देता है। आर्थिक बँटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है। ईर्ष्या, लोभ, बेईमानी आदि बुराइयों से लोगो को बचाता है

**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।**

**(i)** लेखक ने शरीर के लिए श्रम आवश्यक क्यों बतलाया है । **(1)**

(अ) इसलिए कि शरीर स्वस्थ रहने के साथ साथ जीवित भी रहे।

(ब) इसलिए कि श्रम करने से धन अर्जित होगा

(स) इसलिए कि श्रम करने से शरीरमें आलस्य उत्पन्न नहीं होगा

(द) उपर्युक्त सभी

**(ii)** शरीर को गतिशील बना, रखने के लिए क्या करना होगा **(1)**

(अ) निरंतर चलते रहना होगा (ब) अपने श्रम से हमें कई चीजें पैदा करनी होंगी

(स) व्यायाम करना होगा (द) उपर्युक्त सभी

**(iii)** नया समाज क्या स्वीकार नहीं करेगा। **(1)**

(अ) कोई अकर्मण्य न रहे

(ब) कोई भूखा न रहे

(स) कोई समान अधिकार से वंचित न रहे

(द) हमारे लिये दूसरे ने जो परिश्रम किया है अब मात्र उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार

**(iv)** बुरी आदत हमें वर्षो से कौनसी बुरी आदत पाल रखी है **(1)**

(अ) मुफ्त का खाने की (ब) राम–राम जपना पराया माल अपना

(स) परिश्रम किये बिना सुख पाने की (द) बाप–दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की

**(v)** बाप–दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की आदत ने हमे कैसा बना दिया है **(1)**

(अ) पराश्रित बनाया (ब) शरीर को निकम्मा बनाया

(स) हमें लालची भी बना दिया हैं। (द) शरीर को निकम्मा बनाया हमें लालची भी बना दिया हैं।

node06\B0BA-BB\Kota\Board Material\Hindi\RBSE Sample Paper

**(vi)** वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम नहीं किया,इसे लेखक ने क्या माना है – **(1)**

(अ) लज्जा (ब) निकम्मापन (स) आलसीपन (द) उपर्युक्त सभी

**निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।**

न देख रास्ता कठिन , न सोच रात है कि दिन
सधे हुए कदम उठा, न कोस एक–एक गिन।
तुझे बुला रही पथिक, डगर अगम कठिन विषम,
न लक्ष्य दूर है कहीं, उठा कदम, बढ़ा कदम।

डगर निहारती तुझे, विजय पुकारती तुझे
बुला रही सगर्व सुन महान भारती तुझे
न और वक्त है रहा, प्रवीर रक्त तू बहा,
न शेष कुछ रहा जिसे तुझे न आज है कहा।

**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।**

**(vii)** कवि किस बात पर ध्यान न देने की बात कह रहा है **(1)**

(अ) दिन के बारे मे (ब) रात के बारे मे
(स) कठिन रास्ते के बारे मे (द) उपर्युक्त सभी के बारे मे

**(viii)** कवि क्या न गिनने की बात कह रहा है – **(1)**

(अ) दिन गिनने की (ब) तारें गिनने की (स) कोस गिनने की (द) उपर्युक्त सभी गिनने की

**(ix)** लक्ष्य के पथिक को कौन पुकार रहा है **(1)**

(अ) समय (ब) दुनिया (स) विजय (द) उपर्युक्त सभी

**(x)** क्या न होने की बात कह रहा है – **(1)**

(अ) अवसर न होने की (ब) जीवन न होने की
(स) वक्त न होने की (द) उपर्युक्त सभी

**(xi)** उक्त काव्यांश में कवि ने किसे संबोधित किया है **(1)**

(अ) वीर योद्धाओं को (ब) युवाओं को (स) अकर्मण्य लोगों को (द) लक्ष्य पथिक को

**(xii)** डगर कैसी है **(1)**

(अ) अगम (ब) कठिन (स) विषम (द) उपर्युक्त सभी

**Q.2 निम्नलिखित रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –**

**(i)** भाषा का प्रयोग ..... रूपों में होता है। **(1)**

**(ii)** मुख से निकलने वाली आवाज़ ..... कहलाती है। **(1)**

**(iii)** महाराणा प्रताप मेवाड़ के शेर थे, इस वाक्य में ..... शब्द शक्ति है **(1)**

**(iv)** जा, गज ले आ, इस वाक्य में .....शब्द शक्ति है। **(1)**

**(v)** काली घटा का घमंड घटा, इस पंक्ति में ..... अलंकार है। **(1)**

**(vi)** जहाँ एक शब्द के एक से अधिक अर्थ प्रकट हो ,वहां ..... अलंकार होता है। **(1)**

**Q.3 निम्नलिखित अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए –**

**(i) निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी अर्थ बताइये।** **(1 + 1 = 2)**

(i) AFFIDAVIT (ii) ANNEXURE

node06\B0BA-BB\Kota\Board Material\Hindi\RBSE Sample Paper

**(ii)** लेखिका महादेवी वर्मा के संपर्क में आने से पहले भक्तिन का क्या नाम था **(1)**

**(iii)** पत्रकार कितने तरह के होते है ? **(1)**

**(iv)** दफ्तर के नए असिस्टेंट का नाम क्या था ? **(1)**

**(v)** यशोधर बाबू ने दफ्तर में सिल्वर वेडिंग पार्टी में कितने रुपये खर्च किये ? **(1)**

**(vi)** जूझ कहानी के लेखक ने अपने पढ़ने की इच्छा सबसे पहले किसके सामने प्रकट की ? **(1)**

**(vii)** जूझ कहानी में शरारती बच्चों को किस अध्यापक ने ठीक किया ? **(1)**

**(viii)** जूझ कहानी के नायक के पिता का क्या नाम था ? **(1)**

**(ix)** भगतजी चूरनवाले रोजाना कितने पैसे का चूरन बेचते थे ? **(1)**

**(x)** किस बात के ध्यान से चिड़िया के पंखो की गति बढ गयी ? **(1)**

## खण्ड–ब

**निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम शब्दों में दीजिए –**

**Q.4** एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते है ? **(2)**

**Q.5** वैकल्पिक पत्रकारिता किसे कहते है ? **(2)**

**Q.6** साम्प्रदायिकता विषय पर एक संक्षिप्त आलेख तैयार कीजिए **(2)**

**Q.7** 'सब घर एक कर देने के माने' बच्चा ही जाये' से कवि का क्या आशय है ? **(2)**

**Q.8** कवि को क्या असहनीय प्रतीत होता है ? **(2)**

**Q.9** 'गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते है' –उक्त कथन में निहित लेखक का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए ? **(2)**

**Q.10** लेखक ने बाज़ार को मायावी क्यों कहा है ? **(2)**

**Q.11** "सिल्वर वेडिंग' कहानी के माध्यम से लेखक ने क्या सन्देश देने का प्रयास किया हैं? **(2)**

**Q.12** सौदलगेकर कौन थे? उनमें क्या विशेषता थी। **(2)**

## खण्ड–स

**Q.13** 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता का प्रतिपाद्य बतायिए। **(3)**

**अथवा**

'छोटा मेरा खेत हैं कविता का उद्देश्य बताइए।

**Q.14** लुट्टन पहलवान का चरित्र–चित्रण कीजिए **(3)**

**अथवा**

'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर जल और वर्षा के अभाव में गाँव की दशा का वर्णन कीजिए।

**Q.15** 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर बताइए कि यशोधर बाबू किशनदा को अपना आदर्श क्यों मानते थे? **(3)**

**अथवा**

जूझ पाठ के लेखक आनंद यादव के संघर्ष में दत्ताजी राव देसाई के योगदान को जूझ' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**Q.16** गजानन मानव मुक्तिबोध का कवि परिचय लिखिए। **(3)**

**अथवा**

धर्मवीर भारती का लेखक परिचय लिखिए।

node06\B0BA-BB\Kota\Board Material\Hindi\RBSE Sample Paper

**Q.17 निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए।** **(6)**

मैं जग – जीवन का मार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ;
कर दिया किसी ने प्रकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ !
मैं स्नेह–सुरा का पान किया कस्ता हूँ,
में कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ !

**अथवा**

फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आँख काँ एक बडी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा हैं आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों को एक संग रूलाना हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस् करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद!

**Q.18 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –** **(6)**

सेवक–धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है–नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्ध भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायरू सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं।

node06\B0BA-BB\Kota\Board Material\Hindi\RBSE Sample Paper

अथवा

**निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**

कालिदास वजन ठीक रख सकते थे, वे अनासक्त योगी की स्थिर–प्रज्ञता और विदग्ध प्रेमी का हृदय पा चुके थे। कवि होने से क्या होता है? मैं भी छंद बना लेता हूँ तुक जोड़ लेता हूँ और कालिदास भी छंद बना लेते थे–तुक भी जोड़ ही सकते होंगे इसलिए हम दोनों एक श्रेणी के नहीं हो जाते! पुराने सहृदय ने किसी ऐसे ही दावेदार को फटकारते हुए कहा था–'वयमपि कवयरू कवयरू कवयस्ते कालिदासाद्या!' मैं तो मुग्ध और विस्मय–विमूढ़ होकर कालिदास के एक–एक श्लोक को देखकर हैरान हो जाता हूँ। अब इस शिरीष के फूल का ही एक उदाहरण लीजिए। शकुंतला बहुत सुंदर थी। सुंदर क्या होने से कोई हो जाता है? देखना चाहिए कि कितने सुंदर हृदय से वह सौंदर्य डुबकी लगाकर निकला है। शकुंतला कालिदास के हृदय से निकली थी। विधाता की ओर से कोई कार्पण्य नहीं था, कवि की ओर से भी नहीं। राजा दुष्यंत भी अच्छे–भले प्रेमी थे। उन्होंने शकुंतला का एक चित्र बनाया था; लेकिन रह–रहकर उनका मन खीझ उठता था। उहूँ कहीं–न–कहीं कुछ छूट गया है। बड़ी देर के बाद उन्हें समझ में आया कि शकुंलता के कानों में वे उस शिरीष पुष्प को देना भूल गए हैं, जिसके केसर गंडस्थल तक लटके हुए थे, और रह गया है शरच्चंद्र की किरणों के समान कोमल और शुभ्र मृणाल का हार।

**Q.19** कार्यालय निदेशक ,ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ,जयपुर की ओर से एक विज्ञप्ति तैयार कीजिए जिसमे प्रशासन गांवों के संग अभियान के अंतर्गत जनता की समस्याओं का निस्तारण का उल्लेख हो **(4)**

अथवा

भूस्थानान्तरण जो कि ग्राम पंचायत की प्रदत्त शक्तियों के अधीन था, उसके स्थान पर यह अधिकार तहसीलदार और नायब तहसीलदार को सौपे जाने के सम्बन्ध में एक अधिसूचना तैयार कीजिए

**Q.20 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए –** **(5)**

(i) आतंकवाद की समस्या
(ii) संचार स्धनों का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
(iii) राष्ट्र निर्माण में युवा विद्यार्थियों का योगदान
(iv) विज्ञान वरदान या अभिशाप

node06\B0BA-BB\Kota\Board Material\Hindi\RBSE Sample Paper